SATHI

साथी

POSHAN KUMAR

Iterative International Publishers
IIP

साथी

प्रथम संस्करण

लेखक
पोषण कुमार साहू

Title of the Book: साथी

First Edition - 2024

Copyright 2024 © पोषण कुमार साहू, शिक्षक शिक्षा एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल.

No part of this book may be reproduced or transmitted in any form by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or any information storage and retrieval system, without permission in writing from the copyright owners.

Disclaimer
The author is solely responsible for the contents published in this book. The publishers don't take any responsibility for the same in any manner. Errors, if any, are purely unintentional and readers are requested to communicate such errors to the editors or publishers to avoid discrepancies in future.

E-ISBN: 978-1-68576-515-6

MRP Rs. 150/-

Publisher, Printed at & Distribution by:
Selfypage Developers Pvt Ltd.,
Pushpagiri Complex,
Beside SBI Housing Board,
K.M. Road Chikkamagaluru, Karnataka.
Tel.: +91-8861518868
E-mail:info@iipbooks.com
IMPRINT: I I P Iterative International Publishers

For Sales Enquiries:
Contact: +91- 8861511583
E-mail: sales@iipbooks.com

भूमिका

प्रेम एक ऐसी अद्भुत अनुभूति है जो मानव जीवन को सार्थकता प्रदान करती है। यह हमारे अस्तित्व के मूल में स्थित है और हमारे विचारों, भावनाओं और क्रियाओं को प्रेरित करती है। प्रेम की कोई एक परिभाषा नहीं है क्योंकि यह विभिन्न रूपों में प्रकट होता है - माता-पिता का अपने बच्चों के प्रति प्रेम, भाई-बहनों के बीच का प्रेम, दोस्तों के बीच का प्रेम और नायक और नायिका के बीच सच्चा प्रेम।प्रेम की गहराई और विशालता इसे शब्दों में व्यक्त करने के लिए चुनौतीपूर्ण बनाती है। यह केवल एक भावना नहीं है, बल्कि एक क्रिया भी है जो सहानुभूति, समझ, स्वीकृति और बलिदान की माँग करती है। प्रेम हमें दूसरों के प्रति अपनी चिंता और देखभाल दिखाने के लिए प्रेरित करता है और यही हमारे संबंधों को मजबूती देता है।

नायक-नायिका के बीच सच्चा प्रेम किसी भी उम्र, किसी भी अवस्था में पनप सकता है। इस प्रेम में केवल शारीरिक संबंध को महत्व नहीं दिया जाता बल्कि यह प्रेम आत्मा से होता है। नायक-नायिका आत्मिक रूप से एक दूसरे से बँधते हैं। एक-दूसरे का मान-सम्मान, आवश्यकता, दुख-दर्द सब कुछ बाँटने को तत्पर रहते हैं। इस प्रेम में न सिर्फ एक दूसरे को अपना बनाना होता है बल्कि एक दूसरे के लिए समर्पण सबसे महत्वपूर्ण होता है। एक दूसरे के प्रति बलिदान भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। प्रेम की सच्ची परिभाषा एक दूसरे के प्रति समर्पण ही है।

अंततः, प्रेम वह बल है जो समाज को एक साथ बाँधता है। यह हमें सिखाता है कि कैसे दूसरों की भलाई के लिए कार्य किया जाए और कैसे एक दूसरे के दुख-दर्द में साथ दिया जाए। प्रेम की शक्ति अपार है; यह हमें आशा देता है, हमें शांति प्रदान करता है, और हमारे जीवन को उज्ज्वल और प्रसन्न बनाता है।

इस किताब में प्रेम के बीज के पनपने के एहसास से लेकर एक बड़ा पेड़ बनने की प्रक्रिया लिखी गई है। एक नायक किस तरह अपनी साथी से मिलता है और न जाने क्या आकर्षण है साथी में जो नायक को अपनी ओर खींचा जा रहा है। साथी की याद में वह हर पल बिता रहा है। इस अनोखे एहसास में जो-जो अनुभव नायक ने किए हैं उन अनुभवों का बहुत सुंदर संग्रह है यह किताब। नायक अपनी साथी से बेइंतहा प्यार करता है और उसके लिए सब कुछ समर्पित करने को तैयार है। अपना समय, अपनी खुशियाँ अपना सब कुछ। नायक अपनी साथी की खुशी को लेकर अति उत्साहित है और वह अपनी साथी के हर दुख दर्द को अपना बना लेना चाहता है और अपनी खुशियाँ उसे दे देना चाहता है। अपने आप को पूर्णतः उसके लिए समर्पित कर देना चाहता है। बस यही समर्पण तो प्यार है।

प्रेम संबंधी किताबें पाठक को प्रेम की विभिन्न आकृतियों और गहराइयों से परिचित कराती हैं। ये किताब हमें दिखाती है कि प्रेम कैसे हमारी भावनाओं को आकार देता है, हमें सिखाता है और कभी-कभी हमें तोड़ता भी है। इस पुस्तक के पन्ने हमें विश्वास और समर्पण की महत्वपूर्ण सीख देते हैं साथ ही प्रेम की जटिलताओं को समझने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उम्मीद है यह किताब सच्चे

प्रेमियों को जरूर पसंद आएगी। फिर भी हम थोड़ी कोशिश करे तो, ऐसा प्रेम कुछ अंश तक हमारे अंदर भी जगा सकते है| यह सब कैसे संभव है, यह जानने के लिए अवश्य पढ़े यह किताब और अपने जीवन को 'प्रेममय' बनाइये|

लेखक की कलम से-

मैं प्रेम को अति पवित्र भावना मानता हूँ, प्रेम अल्फाज़ों में नहीं, बल्कि दिलों के संगीत में हैं। मेरे हर शब्द में बसी है प्रेम की कहानी। मेरी लेखनी से निकली हर बात, जीवन को सुंदर रंगों में रंगने की कहानी सुनाती है। जब मेरा कलम उठता है, तो हर शब्द में बसी वह अद्वितीय ज़िन्दगी की एक नई कहानी कहता है। मेरी लेखनी से निकली हर बात, एक प्यार भरी नई दुनिया का दरवाज़ा खोलती है। मेरे विचार में प्रेम कण-कण में है।

अंतर्वस्तु

1. **प्रेम के स्वरूप**

2. **प्यार क्या है**

3. **पहली मुलाक़ात**

4. **जब पहली बार**

5. **तुमसे मिलकर**

6. **एक सूना रास्ता**

7. **ओ जाना!**

8. **रात होते ही**

9. **मेरे जीवन की कविता**

10. **कैसे बतलाऊँ**

11. **नैनों से बात हुई**

12. **मंद मंद मुस्कान**

13. जान हो तुम

14. साथी बन जबसे

15. वो चंचल सी अदाकारा

16. कैसे कहूँ

17. साथी मेरे

18. कुछ इस तरह से जीवन हो...

19. क्या क्या लिखूँ

20. छाँव धूप की तरह

21. ये दिल तुम बिन

22. दिल करता है

23. अपना बना ले तू मुझे

24. आज ना जाने

25. जाने क्या असर है

26. जिंदगी भी बड़ी ग़ज़ब है,

27. तुम संग

28. प्यार का एहसास

29. बहारों का संगीत

30. मेरी सुनता नहीं

31. समय हो रहा है

32. स्वप्न सी वो पहली मुलाकात

33. तू मेरे दुनिया की रचयित्री है

SATHI
साथी

POSHAN KUMAR

मैं प्रेम को अति पवित्र भावना मानता हूँ ,प्रेम अल्फाज़ों में नहीं, बल्कि दिलों के संगीत में हैं। मेरे हर शब्द में बसी है प्रेम की कहानी। मेरी लेखनी से निकली हर बात, जीवन को सुंदर रंगों में रंगने की कहानी सुनाती है। जब मेरा कलम उठता है, तो हर शब्द में बसी वह अद्वितीय ज़िन्दगी की एक नई कहानी कहता है। मेरी लेखनी से निकली हर बात, एक प्यार भरी नई दुनिया का दरवाज़ा खोलती है। मेरे विचार में प्रेम कण-कण में है।

Selfypage Developers Pvt Ltd

978-1-68576-515-6

9 781685 765156

MRP Rs. 150/-